राजस्थान बोर्ड परीक्षा (RBSE)

अर्थशास्त्र (Economics)

लघु उत्तरीय प्रश्न Short Question Answer (Two Marks Questions)

1. अर्थव्यवस्था की कोई दो केंद्रीय समस्या लिखिए। (2014, 22, 24)

उत्तर: अर्थव्यवस्था की दो केंद्रीय समस्याएं हैं: "क्या उत्पादन किया जाए?" और "कैसे उत्पादन किया जाए?".

- **क्या उत्पादन किया जाए?**

  (What to Produce?) : अर्थव्यवस्था को यह तय करना होता है कि किन वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में. यह समस्या संसाधनों की कमी के कारण उत्पन्न होती है, क्योंकि सीमित संसाधनों के साथ, अर्थव्यवस्था सभी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकती.

- **कैसे उत्पादन किया जाए?**

  (How to Produce?) : अर्थव्यवस्था को यह तय करना होता है कि उत्पादन के लिए किन तकनीकों और संसाधनों का उपयोग किया जाए. उदाहरण के लिए, क्या उत्पादन श्रम-गहन होगा या पूंजी-गहन?

2. प्रत्यक्ष कर एवं अप्रत्यक्ष कर का क्या अभिप्राय है? (2014) अथवा प्रत्यक्ष कर एवं अप्रत्यक्ष कर के प्रत्येक के दो उदाहरण लिखिए। (2022)

उत्तर: प्रत्यक्ष कर एक प्रकार का कर है जो व्यक्ति सीधे सरकार को देता है, जैसे आयकर , मतदान कर, भूमि कर और व्यक्तिगत संपत्ति कर।

अप्रत्यक्ष कर मूल रूप से ऐसे कर होते हैं जिन्हें किसी अन्य इकाई या व्यक्ति पर लगाया जा सकता है। ये आम तौर पर निर्माता या आपूर्तिकर्ता पर लगाए जाते हैं जो फिर उपभोक्ता पर कर लगाते हैं। अप्रत्यक्ष कर का सबसे आम उदाहरण सिगरेट और शराब पर उत्पाद शुल्क है

3. ह्रासमान विस्थापन की दर समझाइए। (2014) या प्रतिस्थापन दर को संक्षेप में समझाइए। (2017)

उत्तर: "ह्रासमान विस्थापन की दर" का अर्थ है कि जैसे-जैसे कोई व्यक्ति एक वस्तु की अधिक मात्रा प्राप्त करता है, तो वह दूसरी वस्तु को त्यागने के लिए कम इच्छुक होता है, जबकि उसकी संतुष्टि का स्तर समान रहे।

4. विदेशी विनिमय बाजार का अर्थ समझाइए। इस बाजार के कोई दो प्रतिभागियों का उल्लेख कीजिए। (2014)

विदेशी विनिमय बाजार (Foreign Exchange Market) वह जगह है जहाँ दुनिया भर की मुद्राओं का व्यापार होता है, जिससे एक मुद्रा को दूसरी मुद्रा में बदला जा सकता है। इस बाजार में मुख्य प्रतिभागी बैंकों, वित्तीय संस्थानों, और बहुराष्ट्रीय निगमों जैसे संस्थाएँ शामिल हैं।

5. व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र में कोई दो अंतर बताए। (2015, 17, 22)

व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र के बीच दो प्रमुख अंतर:

- **अध्ययन का स्तर:**

  व्यष्टि अर्थशास्त्र व्यक्तिगत इकाइयों के व्यवहार का अध्ययन करता है, जबकि समष्टि अर्थशास्त्र पूरी अर्थव्यवस्था के स्तर पर आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन करता है.

- **अध्ययन का उद्देश्य:**

  व्यष्टि अर्थशास्त्र संसाधन आवंटन में अनुकूलता और व्यक्तिगत उपयोगिता या लाभ को अधिकतम करने पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि समष्टि अर्थशास्त्र आर्थिक स्थिरता, पूर्ण रोजगार और सतत विकास की तलाश करता है.

6. उपभोक्ता का इष्टतम संयोग को दर्शाने वाला रेखाचित्र बनाइए। (2015)

7. अल्पाधिकार बाजार की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (2015)

अल्पाधिकार बाजार में कुछ ही विक्रेता होते हैं और वे एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, जिससे वे अपनी रणनीति और कीमत निर्धारित करने में एक-दूसरे को ध्यान में रखते हैं.

यहाँ अल्पाधिकार बाजार की दो प्रमुख विशेषताएं दी गई हैं:

- **कुछ ही विक्रेता:**
  अल्पाधिकार बाजार में कुछ ही बड़ी कंपनियां होती हैं जो बाजार का एक बड़ा हिस्सा नियंत्रित करती हैं.
- **अन्योन्याश्रयता:**
  इन कंपनियों के बीच एक मजबूत अन्योन्याश्रयता होती है, जिसका अर्थ है कि एक कंपनी की गतिविधि दूसरी कंपनी की गतिविधि को प्रभावित करती है

8. औसत सम्प्राप्ति एवं सीमान्त सम्प्राप्ति में अंतर स्पष्ट कीजिए। (2015) अथवा औसत सम्प्राप्ति अवधारणा की व्याख्या कीजिए। (2022)

औसत सम्प्राप्ति (Average Revenue - AR) प्रति इकाई उत्पादन से प्राप्त आय है, जबकि सीमान्त सम्प्राप्ति (Marginal Revenue - MR) एक अतिरिक्त इकाई के उत्पादन और बिक्री से कुल आय में वृद्धि है.

यहाँ औसत सम्प्राप्ति (AR) और सीमान्त सम्प्राप्ति (MR) के बीच अंतर दिए गए हैं:

- **परिभाषा:**
  - **औसत सम्प्राप्ति (AR):** कुल आय को उत्पादित इकाइयों की संख्या से विभाजित करके प्राप्त की जाती है।
  - **सीमान्त सम्प्राप्ति (MR):** कुल आय में एक अतिरिक्त इकाई के उत्पादन और बिक्री से होने वाली वृद्धि है.
- **सूत्र:**
  - **AR:** AR = कुल आय / उत्पादित इकाइयों की संख्या
  - **MR:** MR = (कुल आय में वृद्धि) / (उत्पादित इकाइयों में वृद्धि)

9. सकल राष्ट्रीय उत्पाद एवं सकल घरेलू उत्पाद की अवधारणाओं को समझाइए। (2015, 22,) अथवा सकल घरेलू उत्पाद एवं सकल राष्ट्रीय उत्पाद में अंतर बताइए। (2018, 19, 20)

सकल राष्ट्रीय उत्पाद किसी देश के निवासियों द्वारा उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जीएनपी) कहते हैं. यह एक आर्थिक मीट्रिक है. यह किसी देश के आर्थिक उत्पादन को मापने का एक तरीका है.

सकल घरेलू उत्पाद सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) एक आर्थिक संकेतक है जो किसी देश में किसी निश्चित अवधि, आमतौर पर एक वर्ष या एक तिमाही में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापता है। यह किसी देश के आर्थिक प्रदर्शन और गतिविधि के व्यापक संकेतक के रूप में कार्य करता है

सूत्र:

10. व्यावसायिक बैंको के इन्हीं दो मुख्य कार्यों का वर्णन कीजिए। (2015, 22)

व्यावसायिक बैंकों के दो मुख्य कार्य जमा स्वीकार करना और ऋण प्रदान करना है, जो अर्थव्यवस्था को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

1. **जमा स्वीकार करना (Accepting Deposits):**

- व्यावसायिक बैंक लोगों और व्यवसायों से विभिन्न प्रकार के खातों (जैसे बचत खाता, चालू खाता, सावधि जमा) में जमा स्वीकार करते हैं।

2. ऋण प्रदान करना (Granting Loans):

- व्यावसायिक बैंक जमाकर्ताओं से जमा किए गए धन का उपयोग ऋण प्रदान करने के लिए करते हैं, जैसे कि व्यक्तिगत ऋण, व्यवसाय ऋण, गृह ऋण, आदि।

11. निवेश गुणक की प्रक्रिया को संक्षेप में समझाएँ। (2015)

निवेश गुणक, अर्थशास्त्र की एक अवधारणा है. यह बताता है कि किसी अर्थव्यवस्था में निवेश में वृद्धि होने पर कुल उत्पादन में कितनी वृद्धि होती है. इसे गुणक भी कहा जाता है. यह एक अनुपात है.

12. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की किन्हीं दो विशेषताएँ लिखिए। (2016)

पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ

- (1) निजी सम्पत्ति - पूँजीवादी **अर्थव्यवस्था** के अन्तर्गत प्रत्येक व्यक्ति को सम्पत्ति प्राप्त करने, रखने, प्रयोग करने व खरीदने-बेचने का पूरा अधिकार होता है।
- (2)अधिकतम लाभ - पूँजीवादी **अर्थव्यवस्था** का प्रमुख आधार अधिकतम लाभ प्राप्त करना होता है।

13. माँग़ की लोच को समझाइए। (2016)

किसी वस्तु की कीमत में बदलाव के कारण उसकी मांग में होने वाले बदलाव को मांग की लोच कहते हैं. यह एक आर्थिक शब्द है. मांग की लोच से यह पता चलता है कि कीमत में बदलाव होने पर वस्तु की मांग में कितना बदलाव होगा.

14. पूरक और स्थानापन्न वस्तुओं को उदाहरणों की सहायता से समझाइए। (2016, 22)

स्थानापन्न वस्तुएं वस्तुओं का ऐसा युग्म है, जिसका उपयोग एक निश्चित आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक दूसरे के स्थान पर किया जा सकता है, जैसे चाय और कॉफी,

पूरक वस्तुएं वस्तुओं का ऐसा युग्म है, जिसका उपयोग एक निश्चित आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक साथ किया जाता है, जैसे कार और पेट्रोल।

15. बाजार पूर्ति को एक तालिका के माध्यम से समझाइए। (2016)

बाजार पूर्ति की तालिका- एक बाजार में बहुत से विक्रेता होते हैं जो विभिन्न कीमतों पर वस्तु को बेचने के लिए तैयार रहते है यदि इन सब विक्रेताओं की पूर्ति को जोड़ दिया जाये तो एक बाजार की पूर्ति तालिका बन जायेगी

16. आय के वर्तुल प्रवाह को समझाइए। (2016)

आय का वर्तुल प्रवाह (Circular Flow of Income) एक आर्थिक मॉडल है जो अर्थव्यवस्था में धन, वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह को दर्शाता है, जिसमें उत्पादन, आय और व्यय के बीच संबंध को दर्शाया जाता है.

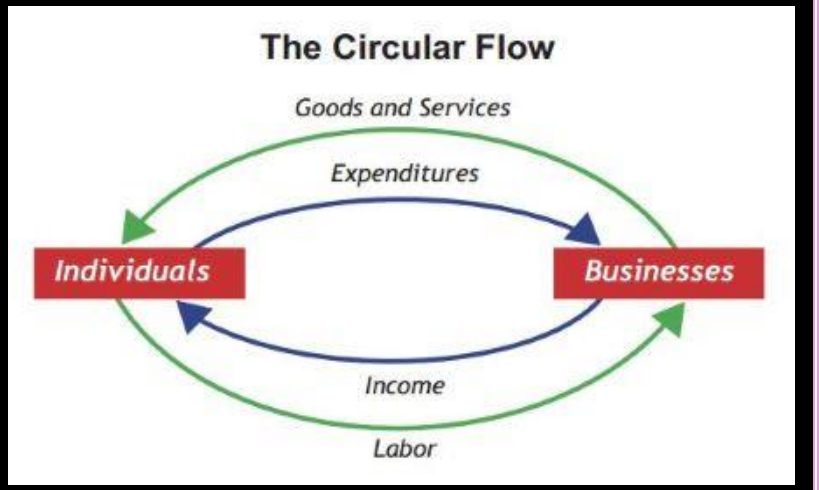

17. आपके अनुसार भारतीय रिज़र्व बैंक के किन्हीं दो प्रमुख कार्यों को लिखिए। (2016)

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के दो प्रमुख कार्य हैं: मुद्रा जारी करना और मौद्रिक नीति बनाना।

- **मुद्रा जारी करना:**
  RBI का अधिकार है कि वह देश में करेंसी नोट छापे और जारी करे, सिवाय 1 रुपये के नोट के, जो वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है.
- **मौद्रिक नीति बनाना:**
  RBI देश की मौद्रिक नीति बनाता है, जिसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था में मुद्रा की आपूर्ति को नियंत्रित करना और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना है.

18. उच्च शक्तिशाली मुद्रा के प्रमुख घटक लिखिए (2016)

उच्च शक्तिशाली मुद्रा के दो प्रमुख घटक हैं:

जनता के पास मौजूद मुद्रा (करेंसी): यह वह मुद्रा है जो आम लोगों के पास हाथ में होती है, जैसे नोट और सिक्के.

बैंकों के पास केंद्रीय बैंक में रखे गए भंडार: यह वह राशि है जो वाणिज्यिक बैंक केंद्रीय बैंक के पास अपने खातों में रखते हैं.

19. बाजार मांग का आशय स्पष्ट कीजिए (2017)

बाजार मांग से तात्पर्य किसी उत्पाद या सेवा की उस मात्रा से है जिसे किसी विशेष बाजार में सभी उपभोक्ता एक विशिष्ट समयावधि के दौरान एक निश्चित मूल्य पर खरीदने के लिए इच्छुक और सक्षम होते हैं। यह किसी विशिष्ट उत्पाद या सेवा के लिए उपभोक्ताओं की सामूहिक इच्छा या आवश्यकता को दर्शाता है।

20. अधि मांग एवं अधिक पूर्ति में अंतर समझाइए। (2017)

अधिमांग (Excess Demand):

जब किसी निश्चित कीमत पर बाजार में किसी वस्तु की मांग, उस कीमत पर उपलब्ध पूर्ति से अधिक होती है, तो उसे अधिमांग कहते हैं। अधिमांग की स्थिति में, कीमतें बढ़ने की संभावना होती है क्योंकि खरीदारों के बीच वस्तु को प्राप्त करने की प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है।

अधिपूर्ति (Excess Supply):

जब किसी निश्चित कीमत पर बाजार में किसी वस्तु की पूर्ति, उस कीमत पर मांग से अधिक होती है, तो उसे अधिपूर्ति कहते हैं। अधिपूर्ति की स्थिति में, कीमतें गिरने की संभावना होती है क्योंकि विक्रेताओं के पास वस्तु को बेचने के लिए अधिक मात्रा में स्टॉक होता है।

21. उपभोग वस्तुओं एवं पूंजीगत वस्तुओं के दो उदाहरण लिखी है। (2017)

उपभोग वस्तुओं के उदाहरण:

- **भोजन:** फल, सब्जियां, दूध, रोटी
- **कपड़े:** टी-शर्ट, पैंट, स्कर्ट

पूंजीगत वस्तुओं के उदाहरण: **मशीनरी, उपकरण:**

22. मुद्रा के किन्हीं दो महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख कीजिए। (2017)

मुद्रा के दो महत्वपूर्ण कार्य हैं

विनिमय का माध्यम (Medium of Exchange): मुद्रा वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान को आसान बनाती है, क्योंकि यह एक सामान्य रूप से स्वीकार्य माध्यम है.

मूल्य का माप (Measure of Value): मुद्रा सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को व्यक्त करने के लिए एक मानक इकाई के रूप में कार्य करती है, जिससे मूल्य निर्धारण और तुलना आसान हो जाती है.

23. वस्तु विनिमय की कठिनाइयों को दूर करने हेतु दो उपाय बताएं। (2017) अथवा वस्तु विनिमय प्रणाली को समझाइए। (2023)

वस्तु विनिमय प्रणाली की कठिनाइयों को दूर करने के लिए दो महत्वपूर्ण उपाय हैं: मुद्रा का उपयोग और वित्तीय संस्थानों का विकास.

- **मुद्रा का उपयोग:**
  मुद्रा वस्तु विनिमय की समस्या को हल करती है क्योंकि यह वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान का एक सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत माध्यम है.
- **वित्तीय संस्थानों का विकास:**
  बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान जमा खाते, भुगतान प्रणाली और ऋण जैसी सेवाएं प्रदान करके लेन-देन को सुविधाजनक बनाते हैं, जिससे वस्तु विनिमय की कठिनाइयाँ कम होती हैं.

24. राजस्व प्राप्तियां क्या है? इसके दो प्रमुख स्रोत बताइये। (2017)

राजस्व प्राप्तियां, किसी व्यवसाय या सरकार द्वारा सामान्य कारोबार में मिलने वाली रकम को कहते हैं. इसे राजस्व भी कहते हैं. राजस्व प्राप्तियां, आवर्ती होती हैं और किसी भी कारोबार के लाभ-हानि को प्रभावित करती हैं.

राजस्व प्राप्तियों के उदाहरण:

- सरकार द्वारा वसूले गए कर और शुल्क
- निवेशों पर मिले ब्याज़ और लाभांश
- विभिन्न सेवाओं के बदले मिली रकम

25. उपयोगिता से आप क्या समझते हैं? (2018)

उपयोगिता का अर्थ है किसी वस्तु या सेवा की वह क्षमता जो किसी व्यक्ति की आवश्यकताओं या इच्छाओं को संतुष्ट करती है, और यह अर्थशास्त्र में एक महत्वपूर्ण अवधारणा है.

व्याख्या:

- **उपयोगिता की परिभाषा:**

  उपयोगिता, अर्थशास्त्र में, किसी वस्तु या सेवा के उपभोग से प्राप्त होने वाली संतुष्टि या खुशी का माप है.

26. प्रतिस्थापन प्रभाव को उदाहरण द्वारा समझाइए। (2018)

प्रतिस्थापन प्रभाव का अर्थ है कि जब किसी वस्तु की कीमत बढ़ती है, तो उपभोक्ता उस वस्तु की जगह अन्य समान वस्तुओं का उपभोग करना शुरू कर देते हैं, जिससे पहले वाली वस्तु की मांग कम हो जाती है।

उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि कॉफी की कीमत बढ़ जाती है, तो लोग चाय पीना शुरू कर सकते हैं, क्योंकि चाय कॉफी का एक प्रतिस्थापन है।

27. स्टॉक एवं प्रवाह में अंतर स्पष्ट कीजिए। (2018)

स्टॉक और प्रवाह में अंतर इस प्रकार है:

- स्टॉक किसी निश्चित समय पर मापी जाने वाली मात्रा होती है, जबकि प्रवाह समय के अंतराल में मापी जाने वाली मात्रा होती है.
- स्टॉक एक स्थिर अवधारणा है, जबकि प्रवाह एक प्रावैगिक अवधारणा है.
- स्टॉक का कोई समय-काल नहीं होता, जबकि प्रवाह का समय-काल होता है.

28. राष्ट्रीय आय की दो विशेषताएं बताये। (2018)

यहां राष्ट्रीय आय की दो प्रमुख विशेषताएं दी गई हैं:

- **आर्थिक प्रदर्शन का संकेतक:**
  राष्ट्रीय आय में वृद्धि देश की आर्थिक वृद्धि और विकास का संकेत देती है, जबकि कमी आर्थिक मंदी का संकेत हो सकती है।
- **जीवन स्तर का माप:**
  राष्ट्रीय आय को अक्सर किसी देश के जीवन स्तर का अनुमान लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, क्योंकि उच्च राष्ट्रीय आय आम तौर पर उच्च जीवन स्तर से जुड़ी होती है।

29. मुद्रा आपूर्ति की M1 एवं M3 अवधारणाओं को समझाइए। (2018)

M1 (Narrow Money):

- M1 में जनता के पास मौजूद नकद, सिक्के और बैंक में मांग जमा (चेकिंग खाते) शामिल हैं.
- यह मुद्रा आपूर्ति का सबसे तरल और आसानी से उपयोग किया जाने वाला माप है.

M3 (Broad Money):

- M3 में M1 के साथ-साथ बचत जमा, सावधि जमा (Fixed Deposits), और अन्य कम तरल परिसंपत्तियां शामिल हैं.
- यह मुद्रा आपूर्ति का एक व्यापक माप है जो अर्थव्यवस्था में उपलब्ध धन की एक विस्तृत तस्वीर प्रदान करता है.

30. बजट के दो उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए। (2018)

बजट के दो मुख्य उद्देश्य हैं:

आर्थिक विकास को बढ़ावा देना:

बजट के माध्यम से सरकार आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं पर धन खर्च करती है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होती है.

- **संसाधनों का कुशलतापूर्वक आवंटन:**

बजट सरकार को उपलब्ध संसाधनों को विभिन्न क्षेत्रों और परियोजनाओं में प्राथमिकता के आधार पर आवंटित करने में मदद करता है, जिससे संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होता है.

31. नकदीविहीन लेनदेन के दो लाभ बताये। (2018) अथवा नकदविहीन लेनदेन के किन्हीं दो माध्यमों का उल्लेख कीजिए। (2019)

नकदीविहीन लेनदेन के दो मुख्य लाभ: पहला, यह लेन-देन को सुरक्षित और आसान बनाता है, और दूसरा, यह कर चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों को रोकने में मदद करता है

अथवा

नकदीविहीन लेनदेन के दो महत्वपूर्ण माध्यम हैं: डेबिट/क्रेडिट कार्ड और मोबाइल बैंकिंग।

32. आर्थिक विश्लेषण के इन्हीं दो मान्यताओं को संक्षेप में समझाइए। (2019)

आर्थिक विश्लेषण में, निगमनात्मक और आगमनात्मक विधियाँ दो महत्वपूर्ण मान्यताएँ हैं।

निगमनात्मक विधि सामान्य सिद्धांत से शुरू होकर विशिष्ट अवलोकनों से उसका परीक्षण करती है, जबकि आगमनात्मक विधि विशिष्ट अवलोकनों से सामान्य सिद्धांत तक पहुँचती है।

33. तटस्थता मानचित्र बनाइये। (2019) अथवा अनधिमान वक्र का एक रेखाचित्र बनाइए। (2022)

उदासीनता वक्र वह वक्र है जिसका प्रत्येक बिंदु दी हुई वस्तुओं के ऐसे संयोगों को बताता है जिससे किसी उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्राप्त होती है

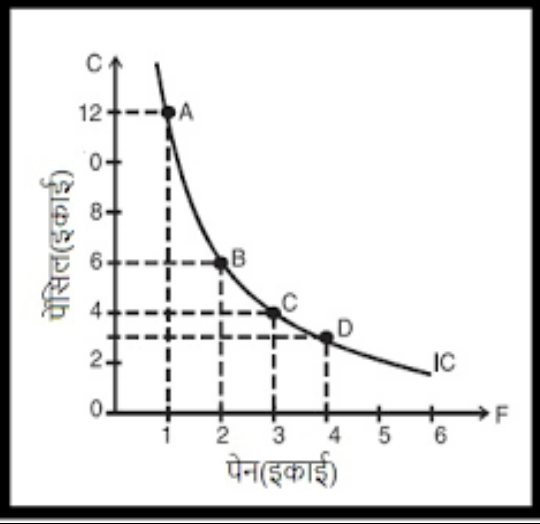

34. एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता को परिभाषित कीजिए। (2019)

एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता (Monopolistic Competition) एक ऐसी बाजार संरचना है जहाँ कई कंपनियां एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करती हैं, लेकिन वे समान, लेकिन विभेदित उत्पाद बेचती हैं, जिससे उन्हें कुछ हद तक बाजार पर नियंत्रण मिलता है।

35. आपकी दृष्टि सकल राष्ट्रीय गणना में आने वाली दो कठिनाइयां समझाइए। (2019)

सकल राष्ट्रीय आय (GNI) की गणना में दो मुख्य कठिनाइयाँ हैं

1. अवैतनिक सेवाओं और गैर-मुद्रीकृत क्षेत्र का मूल्यांकन: बहुत सी सेवाएं, जैसे कि घरेलू काम या स्वयं सहायता, बिना पैसे के होती हैं, जिन्हें राष्ट्रीय आय में शामिल करना मुश्किल होता है. गैर-मुद्रीकृत क्षेत्र, जहाँ लेन-देन नकद में नहीं होते, में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का मूल्यांकन करना भी कठिन होता है.

2. सांख्यिकीय डेटा की कमी: उत्पादन और आय के बारे में सटीक और पर्याप्त डेटा का अभाव राष्ट्रीय आय की गणना को मुश्किल बनाता है. कई देशों में, सांख्यिकीय डेटा एकत्र करना और उसे व्यवस्थित करना मुश्किल होता है, जिससे राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है.

36. समग्र मांग से आप क्या समझते हैं? (2019)

किसी देश, क्षेत्र, या बाज़ार में तैयार माल और सेवाओं की कुल मांग को समग्र मांग कहते हैं. यह एक स्थूल अवधारणा है. समग्र मांग से पता चलता है कि मौजूदा कीमत स्तर किसी देश के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से कैसे संबंधित हैं.

37. घाटे का बजट से क्या अभिप्राय है? समझाइए। (2019)

बजट घाटा तब होता है जब व्यय राजस्व से अधिक हो जाता है और फिर किसी देश की वित्तीय सेहत पर असर डालता है। बजट घाटा शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर व्यवसायों या व्यक्तियों के बजट के बजाय कुल आर्थिक खर्च के बारे में बात करते समय किया जाता है। राष्ट्रीय ऋण बजट में उपार्जित घाटे से बनता है।

38. स्थैतिक विश्लेषण एवं प्रावैधिक विश्लेषण को संक्षेप में समझाइए। (2020)

स्थैतिक विश्लेषण (Static Analysis):

- यह विश्लेषण किसी एक समय बिंदु पर आर्थिक स्थिति का अध्ययन करता है, जैसे कि किसी अर्थव्यवस्था में उत्पादन का स्तर, आय का वितरण, या बेरोजगारी की दर.

प्रावैगिक विश्लेषण (Dynamic Analysis):

- यह विश्लेषण समय के साथ आर्थिक परिवर्तनों का अध्ययन करता है, जैसे कि आर्थिक विकास, मुद्रास्फीति, या तकनीकी प्रगति.
- यह विश्लेषण आर्थिक प्रणाली में बदलावों को ध्यान में रखता है और यह मानता है कि आर्थिक चर समय के साथ बदलते हैं.

39. बजट रेखा का रेखाचित्र बनाए। (2020)

कीमत रेखा दो वस्तुओं के उन विभिन्न संयोगों को व्यक्त करती है जो उपभोक्ता अपनी दी हुई आय एवं वस्तुओं की वर्तमान कीमत के आधार पर खरीद सकता है।

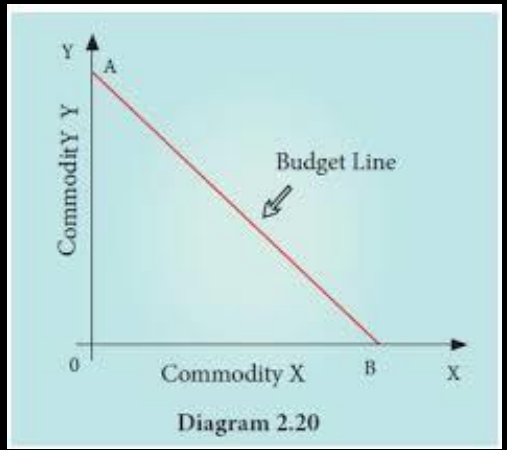

Diagram 2.20

40. पूर्ण प्रतियोगिता बाजार के इन्हीं दो विशेषताएं बताइए। (2020)

पूर्ण प्रतियोगिता बाजार की दो मुख्य विशेषताएं हैं:.

- **बड़ी संख्या में क्रेता और विक्रेता:** पूर्ण प्रतियोगिता में, बाजार में बहुत सारे क्रेता और विक्रेता होते हैं, जिससे किसी भी एक क्रेता या विक्रेता का बाजार की कीमत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता.
- **समरूप उत्पाद:** सभी विक्रेता समान उत्पाद बेचते हैं, जिसका मतलब है कि एक विक्रेता का उत्पाद दूसरे विक्रेता के उत्पाद से बिल्कुल भी अलग नहीं होता.

41. प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के अनुसार समग्र पूर्ति संकल्पना को समझाइए। (2020)

समग्र आपूर्ति किसी देश के भीतर व्यवसायों द्वारा एक निश्चित मूल्य स्तर पर आपूर्ति की गई वस्तुओं (सेवाओं सहित) की कुल मात्रा है। कीमत का स्तर जितना ऊँचा होगा, व्यवसायों को बाज़ार के लिए अपने माल का अधिक उत्पादन करने के लिए उतना ही अधिक प्रोत्साहन मिलेगा।

42. पूंजीगत प्राप्तियों की किन्हीं दो मदों का उल्लेख कीजिए। (2022)

पूंजीगत प्राप्तियों के दो मदों के उदाहरण हैं: शेयरों या डिबेंचरों की बिक्री से प्राप्त धन और बैंकों से लिया गया ऋण.

- **शेयरों या डिबेंचरों की बिक्री (विनिवेश):**
  जब कोई कंपनी अपने शेयर या डिबेंचर (ऋण साधन) बेचती है, तो उससे प्राप्त धन पूंजीगत प्राप्ति के रूप में माना जाता है क्योंकि यह कंपनी की पूंजी में वृद्धि करता है, जो दीर्घकालिक निवेश का प्रतिनिधित्व करता है.
- **बैंकों से लिया गया ऋण:**
  जब कोई कंपनी या सरकार बैंकों से ऋण लेती है, तो यह भी पूंजीगत प्राप्ति का एक उदाहरण है, क्योंकि इससे कंपनी की देनदारी बढ़ती है और पूंजी में वृद्धि होती है.

43. सार्वजनिक वस्तुओं के किन्हीं दो विशेषताएँ लिखिए। (2022)

सार्वजनिक वस्तुओं की दो मुख्य गैर-बहिष्कृत (non-excludable) और गैर-प्रतिद्वंद्वी (non-rivalrous)। विशेषताएँ हैं:

इसका मतलब है कि एक व्यक्ति के द्वारा सार्वजनिक वस्तु का उपभोग करने से दूसरे व्यक्ति को उस वस्तु का उपभोग करने से नहीं रोका जा सकता, और एक व्यक्ति के उपभोग से दूसरे व्यक्ति के उपभोग में कमी नहीं होती.

44. राजस्व घाटे की गणना कैसे की जाती है? (2022)

राजस्व घाटे की गणना करने का फ़ॉर्मूला है: राजस्व घाटा = कुल राजस्व प्राप्तियां - कुल राजस्व व्यय. राजस्व घाटा, किसी सरकार या व्यवसाय की शुद्ध आय और शुद्ध व्यय के बीच का अंतर होता है.

45. कुल स्थिर लागत वक्र किस आकार का होता है? कोई एक कारण दीजिए। (2022)

कुल स्थिर लागत वक्र (Total Fixed Cost Curve) एक क्षैतिज सीधी रेखा (horizontal straight line) होती है, क्योंकि उत्पादन के किसी भी स्तर पर कुल स्थिर लागतें समान रहती हैं।

46. बाजार पूर्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (2022)

बाजार पूर्ति का आशय यह है कि किसी निश्चित कीमत पर बाजार में उपलब्ध वस्तुओं और सेवाओं की कुल मात्रा, जो विभिन्न विक्रेताओं द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

47. घरेलू क्षेत्र में उपभोग व्यय के वर्गीकरण को समझाइए। (2023)

घरेलू क्षेत्र में उपभोग व्यय को मुख्य रूप से दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

- **अंतिम उपभोग व्यय:**
  एक व्यक्ति द्वारा किराने की दुकान से भोजन खरीदना, कपड़े खरीदना, या डॉक्टर के पास जाना.
- **गैर-अंतिम उपभोग व्यय:**
  एक कंपनी द्वारा उत्पादन के लिए कच्चा माल खरीदना, एक नया संयंत्र स्थापित करना, या सरकार द्वारा सड़क का निर्माण करना.

48. सामान्य वस्तुएं एवं निम्नस्तरीय वस्तुओं में भेद कीजिए। (2023) अथवा गिफ़्फ़िन वस्तुएं किसे कहते हैं, उदाहरण देकर समझाइए। (2024)

सामान्य वस्तुएँ (Normal Goods): सामान्य वस्तुएँ वे हैं जिनकी मांग उपभोक्ता की आय के साथ सीधे तौर पर बढ़ती है।

उदाहरण: कपड़े, फल, सब्जियां, किताबें, आदि.

निम्न स्तरीय वस्तुएँ (Inferior Goods): निम्न स्तरीय वस्तुएँ वे हैं जिनकी मांग उपभोक्ता की आय के साथ घटती है.

- **उदाहरण:** तत्काल नूडल्स, सस्ते ब्रांड के खाद्य पदार्थ, जमे हुए रात्रिभोज, आदि.
  निम्न स्तरीय वस्तुओं का मांग वक्र आय के साथ नकारात्मक संबंध दर्शाता है, यानी आय बढ़ने पर मांग घटती है.

49. उत्पादन फलन की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। (2023)

उत्पादन फलन, अर्थशास्त्र में, इनपुट (जैसे श्रम, पूंजी) और आउटपुट (जैसे उत्पाद) के बीच फलनात्मक संबंध को दर्शाता है, जो बताता है कि दिए गए इनपुट से कितना उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

उदाहरण: मान लीजिए कि एक कंपनी श्रम और पूंजी का उपयोग करके उत्पाद बनाती है. उत्पादन फलन यह बताएगा कि श्रम और पूंजी के विभिन्न संयोजनों से कितना उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है.

50. पूर्ण प्रतियोगिता बाजार में कीमत स्वीकारक व्यवहार को समझाइए। (2023)

पूर्ण प्रतियोगिता बाजार में, फर्में कीमत स्वीकारक (price taker) होती हैं, जिसका अर्थ है कि वे बाजार द्वारा निर्धारित कीमत को स्वीकार करने के लिए बाध्य होती हैं, क्योंकि वे खुद कीमत निर्धारित नहीं कर सकतीं।

- **बाध्यता:** पूर्ण प्रतियोगिता में, फर्मों को बाजार द्वारा निर्धारित कीमत पर ही अपना उत्पाद बेचना पड़ता है, चाहे वे कितना भी उत्पादन करें।
- **कोई नियंत्रण नहीं:** यदि कोई फर्म बाजार की कीमत से अधिक कीमत पर बेचने की कोशिश करती है, तो कोई भी उसे नहीं खरीदेगा, क्योंकि अन्य फर्में समान उत्पाद को कम कीमत पर बेच रही होंगी।

51. विमुद्रीकरण के धनात्मक प्रभावों को समझाइए। (2024)

विमुद्रीकरण के कई सकारात्मक प्रभाव हुए, जिनमें से कुछ ये रहे:

- **बैंकों में जमा राशि बढ़ी-** विमुद्रीकरण के कारण लोगों ने अपनी नकदी घर पर रखने के बजाय बैंकों में जमा करना शुरू कर दिया. इससे बैंकों में धन की मात्रा बढ़ी और बैंकों को ज़्यादा ऋण देने की क्षमता मिली.
- **ब्याज़ दरें कम हुईं-** बैंकों में जमा राशि बढ़ने से ब्याज़ दरें कम हुईं.
- **कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला**

52. मालसूची निवेश के दो कारणों का उल्लेख कीजिए। (2024)

मालसूची निवेश (Inventory Investment) में वृद्धि के दो मुख्य कारण हैं:

- **उत्पादन में वृद्धि की योजना:** जब उत्पादक भविष्य में उत्पादन बढ़ाने की योजना बनाते हैं, तो वे अपनी मालसूची में निवेश करते हैं ताकि वे अपनी बढ़ी हुई मांग को पूरा कर सकें.
- **बाजार में मांग में अप्रत्याशित बदलाव:** यदि बाजार में मांग अचानक बढ़ जाती है, तो उत्पादकों को अपनी मालसूची में निवेश करना पड़ता है ताकि वे इस बढ़ी हुई मांग को पूरा कर सकें

53. अवमूल्यन एवं पुनर्मूल्यांकन की में अंतर लिखिए। (2024)

मुद्रा अवमूल्यन

मुद्रा का अवमूल्यन किसी देश की आधिकारिक विनिमय दर को जानबूझकर कम करना और USD जैसी विदेशी मुद्रा के संदर्भ में एक नई निश्चित दर निर्धारित करना है।

मुद्रा पुनर्मूल्यांकन

पुनर्मूल्यांकन किसी देश की आधिकारिक विनिमय दरों में विदेशी मुद्रा के संबंध में महत्वपूर्ण वृद्धि है। पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया केवल पुनर्मूल्यांकन करने वाले देश के केंद्रीय बैंक द्वारा ही की जा सकती है।

54. पैमाने की वृद्धिमान प्रतिफल को समझाइए। (2024)

पैमाने के बढ़ते प्रतिफल केवल एक बिंदु तक प्राप्त किए जा सकते हैं । इस बिंदु पर पहुंचने के पश्चात, पैमाने में विस्तार केवल उत्पादन में समान अनुपात में वृद्धि करता है । प्रकार बढ़ाई जाती है कि साधनों का अनुपात अपरिवर्तित रहता है, उत्पादन उसी समान अनुपात में बढ़ता है जिसमें साधनों में वृद्धि होती है।

55. निम्नतम निर्धारित कीमत को स्पष्ट कीजिए। (2024)

निम्नतम निर्धारित कीमत (एमएसपी) वह न्यूनतम कीमत है जिस पर सरकार किसी वस्तु या सेवा को खरीदती है. यह किसी वस्तु या सेवा को बेचने के लिए कानूनी तौर पर तय की गई न्यूनतम कीमत होती है. इसे न्यूनतम मूल्य या मूल्य तल भी कहा जाता है

56. फर्म के लाभ बिंदु से आप क्या समझते हैं। (2024)

फर्म का लाभ बिंदु (Break-Even Point) वह बिंदु है जहाँ फर्म की कुल लागत और कुल राजस्व बराबर होते हैं, यानी न तो उसे लाभ होता है और न ही हानि.

महत्व:

- **वित्तीय योजना:** यह व्यवसाय की योजना में एक महत्वपूर्ण गणना है, जो यह निर्धारित करने में मदद करता है कि व्यवसाय को लाभप्रद होने के लिए कितनी बिक्री की आवश्यकता है.
- **मूल्य निर्धारण:** यह समझदारी से मूल्य निर्धारण करने में मदद करता है, क्योंकि इससे यह पता चलता है कि उत्पादन की लागत को कवर करने के लिए न्यूनतम मूल्य क्या होना चाहिए.

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

LIKE AND ***SHARE*** The Video

SUBSCRBE THE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

FOLLOW ME ON INSTAGRAM / @theeconomicsguru

FOLLOW ME ON FACEBOOK / NAKUL DHALI

For PDF visit my website: www.theeconomicsguru.com